पाठ 15. खाद्ध्य संसाधनों में सुधार

अतिरिक्त-प्रश्न:

प्रश्न1: कृषि क्षेत्र में लोगों की आय बढ़ाने या अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए कौन सी प्रणालियाँ अपनानी चाहिए |

उत्तर:

(i) म्रिश्रित खेती |

(ii) अंतराफसलीकरण

(iii) संघटीय प्रणाली अपनाकर

प्रश्न: पशुधन के रूप में उपयोग की जाने वाली फसलों का नाम बताइए |

उत्तर: (i) वर्मिस (ii) जई (iii) सूडान घास

प्रश्न: विभिन्न फसलों के लिए जलवायु संबंधी कौन सी परिस्थितियों की आवश्यकता होती है ?

उत्तर: तापमान और दिप्तिकाल

प्रश्न: खरीफ फसल किसे कहते है ?

उत्तर: कुछ ऐसी फसलें जिन्हें वर्षा ऋतू में उगाते है उन्हें खरीफ फसल कहते हैं | जैसे - धान, मक्का, अरहर और बाजरा आदि |

प्रश्न: रबी फसल किसे कहते है ?

उत्तर: जिन फसलों को शीत ऋतू में उगाते है उन्हें रबी फसल कहते हैं | जैसे - गेंहूँ, चना, मटर, उड़द और सरसों आदि |

प्रश्न: संकरण विधि क्या है ?

उत्तर: संकरण विधि में विभिन्न अनुवांशिक गुणों वाले पौधों में संकरण करवाते हैं | यह संकरण अंतराकिस्मीय (विभिन्न किस्मों से), अंतरास्पिसिज (विभिन्न प्रजातियों से) अथवा अंतरवंशीय (विभिन्न वंशों से) से हो सकता है | इस विधि से दो किस्मों को मिलाकर एक नई किस्म पैदा किया जाता है | इसलिए इस विधि को संकरण विधि कहते हैं |

प्रश्न: जैविक और अजैविक कारक फसल उत्पादन को प्रभावित करते हैं | कैसे ?

उत्तर:

(i) जैविक कारक जैसे - रोग किट, तथा निमोटोड़ आदि फसल को नुकसान पहुँचाने वाले जैविक कारक है जो खड़ी फसल को नुकसान ही नहीं पहुँचाते वरन उत्पादन क्षमता भी कम कर देते हैं | फसलों में इन कीटों के कारण होने वाले रोग यदि फुल फूल लगने के समय लगती है तो सारे फूल नष्ट हो जाते हैं और उत्पादन बिलकुल ही कम हो जाता है |

(ii) अजैविक कारक के अंतर्गत जलवायु संबंधी परिस्थितियाँ जैसे सुखा, बाढ़, क्षारता, जलाक्रन्ति, ठंढी, गर्मी और पाला के कारण फसल उत्पादन कम हो जाता है |